CPSCM

प्रमाण कार्यक्रम
शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन
(सी पी एस सी एम)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको **शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन** में प्रमाणपत्र कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में **शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन (सी पी एस सी एम)** प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण: हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।

सत्र	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**किसके पास जमा करें**
जुलाई, 2025 के लिए	**30 सितंबर, 2026**	**अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।**
जनवरी, 2026 के लिए	**31 मार्च, 2026**	

शुभकामनााओं के साथ,

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

द्वंद और शांति : वैश्विक परिप्रेक्ष्य (BGP-003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः BGP-003
सत्रीय कार्य कोडः BGP-003/एएसएसटी/टीएमए/2025-26
अधिकतम अंकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

सत्रीय कार्य-I

1) अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में द्वंदों की प्रकृति और क्रमतर विकास का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। शीत युद्ध पश्चात् काल में द्वंद के कारण और अभिनेता (Actors) कैसे परिवर्तित हुये हैं?

2) द्वंद समाधान में युद्ध से संबाद के हस्तांतरण का परीक्षण कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय द्वंदों के समाधान में गैर–हिसंक पहलों के महत्व की चर्चा कीजिए।

3) वैश्वीकरण की अवधारणा की चर्चा कीजिए और सामयिक विश्व में शांति, असमानता और द्वंद के लिये इसके निहितार्थों की चर्चा कीजिए।

4) द्वंद समाधान के दंडकारी तरीकों, दोनों युद्ध से क्रमतर और युद्ध के द्वारा का विश्लेषण कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में इनके प्रभावीपन और सीमाओं का मूल्यांकन कीजिए।

5) सामयिक विश्व में, दक्षिण अफ्रीका के विशेष संदर्भ में सीमा द्वंदों की प्रकृति, कारण और निहितार्थों का परीक्षण कीजिए।

सत्रीय कार्य-II

निम्न प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर 250 शब्दों पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

6) अ) द्वंद उत्पत्ति में वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

ब) पर्यावरणीय पतन और शांति के मध्य सम्बंध

7) अ) प्राकृतिक संसाधनों पर द्वंद के प्रकार और उनके कारण

ब) द्वंद की रोकथाम में स्थायी संसाधन प्रबंधन का महत्व

8) अ) सामयिक विश्व में आतंकवाद और इसके प्रमुख लक्षण

ब) आतंकवाद का वैश्विक स्तर पर सामना करने के लिये अपनायी गयी नीतियाँ

9) अ) द्वदों का शांतिपूर्ण समाधान और इसके प्रकार

ब) शांति बहाली कार्यवाही में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका

10) अ) वैश्विक संदर्भ में मानव सुरक्षा और इसके आयाम

ब) प्रवासीकरण और विस्थापन की शांति बनाये रखने में चुनौतियाँ